PCSMANTRA.COM

विश्व धर्मों का भविष्य: 2035 तक मुसलमानों की संख्या ईसाइयों से अधिक, प्यू रिसर्च रिपोर्ट

समाचार: 18 नवंबर 2026 | प्रकाशन: 19 नवंबर 2026
परीक्षा-संदर्भ: सामान्य अध्ययन I (भारतीय समाज, जनसांख्यिकी), मुख्य परीक्षा; प्रिलिम्स: विश्व धर्म, जनसंख्या रुझान, अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

रिपोर्ट क्या कहती है

प्यू रिसर्च सेंटर की नई रिपोर्ट के अनुसार, यदि वर्तमान जनसांख्यिकीय रुझान जारी रहे, तो 2035 तक मुसलमानों की संख्या ईसाइयों से अधिक हो जाएगी और इस्लाम विश्व का सबसे बड़ा धर्म बन जाएगा। सदियों से ईसाई धर्म विश्व का सबसे बड़ा धर्म रहा है; यह क्रम अगले दशक में बदल सकता है।

मुख्य निष्कर्ष

कुल संख्या और वृद्धि दर

- 2020 से 2070 के बीच विश्व की कुल जनसंख्या में 29 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।
- इस अवधि में केवल दो धार्मिक समूह समग्र जनसंख्या वृद्धि के साथ तालमेल रखेंगे, ईसाई (+30 प्रतिशत) और मुसलमान (+80 प्रतिशत)।
- 2070 तक विश्व में 3.6 अरब से अधिक मुसलमान और लगभग 3 अरब से कम ईसाई होंगे।
- विश्व जनसंख्या में मुसलमानों की हिस्सेदारी 2020 के 26 प्रतिशत से बढ़कर 2070 में 36 प्रतिशत हो जाएगी, जबकि ईसाइयों की हिस्सेदारी लगभग 29 प्रतिशत पर स्थिर रहेगी।

प्रजनन दर और आयु-संरचना

- 2020-2025 की अवधि में मुसलमानों की कुल प्रजनन दर (TFR) 3.1 बच्चे प्रति महिला रही, जबकि गैर-मुसलमानों की दर 2.0 रही।
- तीन अब्राहमी धर्म, इस्लाम, ईसाई धर्म और यहूदी धर्म, ही प्रतिस्थापन स्तर (2.1 बच्चे प्रति महिला) से ऊपर की प्रजनन दर रखते हैं: ईसाइयों की दर 2.5 और यहूदियों की 2.3 (वैश्विक औसत के बराबर) रही; 'अन्य धर्मों' के समूह की दर सामूहिक रूप से लगभग 2.1 रही। शेष समूहों की दर दीर्घकाल में जनसंख्या बनाए रखने के स्तर से नीचे है।
- 2020 में मुसलमानों की औसत आयु (माध्यिका) 24 वर्ष थी, जो गैर-मुसलमानों की औसत आयु (33 वर्ष) से लगभग एक दशक कम है। कम आयु-संरचना तेज जनसंख्या वृद्धि का प्रमुख कारण है।

क्षेत्रीय बदलाव

- 2070 तक विश्व के आधे से अधिक ईसाई उप-सहारा अफ्रीका में रहेंगे।
- कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य ईसाइयों की संख्या में संयुक्त राज्य अमेरिका को पीछे छोड़ देगा।
- उत्तरी अमेरिका में ईसाई बहुसंख्या नहीं रहेगी, ईसाइयों की हिस्सेदारी 63 प्रतिशत से घटकर 46 प्रतिशत रह जाएगी। अमेरिका में धर्म-निरपेक्ष (unaffiliated) लोगों की हिस्सेदारी लगभग 41 प्रतिशत हो जाएगी।
- यहूदी (2020 में अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा धार्मिक समूह) 2070 तक अमेरिका में मुसलमानों और हिंदुओं दोनों से संख्या में पीछे रह जाएँगे।
- यूरोप में धर्म-निरपेक्ष लोगों की हिस्सेदारी एक-चौथाई से बढ़कर लगभग एक-तिहाई हो जाएगी और मुसलमानों की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 13 प्रतिशत हो जाएगी।
- एशिया-प्रशांत क्षेत्र में मुसलमान धर्म-निरपेक्ष लोगों को पछाड़कर सबसे बड़ा समूह बन जाएँगे और हिंदू दूसरे सबसे बड़े समूह होंगे।

देश-वार तस्वीर

- 2070 तक पाकिस्तान में मुसलमानों की संख्या विश्व में सबसे अधिक होगी, इसके बाद भारत, नाइजीरिया और इंडोनेशिया का स्थान होगा (वर्तमान में इंडोनेशिया में सबसे अधिक मुसलमान हैं)।
- मुसलमान-बहुल देशों की संख्या में केवल एक का इज़ाफा होगा, कोत दिव्वार (आइवरी कोस्ट), जिससे 2070 में ऐसे देश 54 हो जाएँगे।
- धर्म-निरपेक्ष बहुसंख्यक वाले देशों की संख्या बढ़ेगी, वर्तमान 10 से बढ़कर 2070 में 13; इसमें दक्षिण कोरिया, फ्रांस और ब्रिटेन जुड़ेंगे।
- 2070 तक विश्व के 62 प्रतिशत यहूदी इज़राइल में रहेंगे (2020 में 46 प्रतिशत)।
- चीन, जापान और दक्षिण कोरिया की कुल जनसंख्या घटेगी और इन देशों के बौद्धों की संख्या में आधे से अधिक की कमी आएगी। बौद्ध समग्र रूप से संख्या और हिस्सेदारी दोनों में सिकुड़ेंगे।

भारत का चित्र (Pew रिपोर्ट के हिंदू-जनसंख्या अध्याय के चार्ट में दिए अनुमान)

- भारत में हिंदुओं की हिस्सेदारी 2020 के 79.4 प्रतिशत से घटकर 2070 में 75.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है; मुसलमानों की हिस्सेदारी 15.2 प्रतिशत से बढ़कर 19.6 प्रतिशत होने का अनुमान है; ईसाइयों की हिस्सेदारी 2.2 प्रतिशत पर स्थिर रहने, 'अन्य धर्मों' की 2.5 प्रतिशत से घटकर 1.8 प्रतिशत और बौद्धों की 0.7 प्रतिशत से घटकर 0.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है।
- संख्या में भारत के हिंदू 2020 से 2070 के बीच लगभग 17.6 करोड़ बढ़ेंगे, किसी भी देश में हिंदुओं की सबसे बड़ी वृद्धि; इसके बाद पाकिस्तान (लगभग 50 लाख) और अमेरिका (लगभग 40 लाख) का स्थान है।
- विश्व में हिंदुओं की संख्या लगभग 19.9 करोड़ बढ़कर करीब 1.4 अरब हो जाएगी, परंतु विश्व जनसंख्या में उनकी हिस्सेदारी 15 प्रतिशत से घटकर 14 प्रतिशत रह जाएगी।
- 2070 तक अमेरिका में विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी हिंदू आबादी होगी; 2070 में केवल भारत और नेपाल ही हिंदू-बहुल देश रहेंगे।

धर्म-निरपेक्ष (religious "nones")

PCSMANTRA.COM

- अधिकांश देशों में धर्म-निरपेक्ष लोगों की संख्या बढ़ेगी, लेकिन चीन की घटती जनसंख्या के कारण (जहाँ सर्वाधिक "nones" रहते हैं) विश्व स्तर पर उनकी हिस्सेदारी 2020 के 24 प्रतिशत से घटकर 2070 में 17 प्रतिशत रह जाएगी।

कार्यप्रणाली

रिपोर्ट में सात धार्मिक समूहों (ईसाई, मुसलमान, धर्म-निरपेक्ष, हिंदू, बौद्ध, यहूदी और अन्य धर्म) का अध्ययन किया गया है। अनुमान आयु-संरचना, प्रजनन दर, धर्मांतरण (switching) और प्रवासन के हालिया स्तरों को स्थिर मानकर तैयार किए गए हैं; किसी देश के भीतर सभी समूहों पर एक समान मृत्यु दर लागू की गई है। ये जनसांख्यिकीय अनुमान हैं, भविष्यवाणी नहीं, धर्मांतरण या नीतिगत बदलाव से वास्तविक आंकड़े भिन्न हो सकते हैं।

> **यह भी पढ़ें:** जनगणना 2027: धर्म-कॉलम का उलझा सवाल और स्व-गणना की शुरुआत

परीक्षा की दृष्टि से महत्व

- प्रिलिम्स के लिए: 2035 का वर्ष (मुसलमान-ईसाई संख्या में बराबरी से आगे), 3.6 अरब/3 अरब आंकड़े, प्रजनन दरें (मुसलमान 3.1, ईसाई 2.5, यहूदी 2.3), पाकिस्तान-भारत-नाइजीरिया-इंडोनेशिया क्रम, भारत की संरचना (79.4 से 75.8 प्रतिशत)।
- मुख्य परीक्षा के लिए: जनसांख्यिकीय रुझान और सामाजिक-राजनीतिक निहितार्थ; भारत के जनसंख्या नीति-विषयक प्रश्नों में उदाहरण के रूप में प्रयोग योग्य।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट "The Future of World Religions: Population Growth Projections, 2020-2070" के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: यदि वर्तमान रुझान जारी रहे, तो 2035 तक मुसलमानों की संख्या ईसाइयों से अधिक हो जाएगी।

कथन 2: 2020 से 2070 की अवधि में मुसलमानों की संख्या में लगभग 80 प्रतिशत और ईसाइयों की संख्या में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (c)

रिपोर्ट के अनुसार 2035 तक मुसलमान ईसाइयों से आगे निकल जाएँगे। 2020-2070 की अवधि में विश्व जनसंख्या 29 प्रतिशत बढ़ेगी; केवल ईसाई (30 प्रतिशत) और मुसलमान (80 प्रतिशत) ही इस गति के साथ तालमेल रखेंगे।

प्रश्न 2. रिपोर्ट के अनुसार 2070 तक मुसलमानों की संख्या में विश्व में सबसे अधिक होने का अनुमान किस देश में है?

(a) इंडोनेशिया

(b) भारत

(c) पाकिस्तान

(d) नाइजीरिया

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (c)

2070 तक पाकिस्तान में मुसलमानों की संख्या सबसे अधिक होगी, इसके बाद भारत, नाइजीरिया और इंडोनेशिया का स्थान होगा। वर्तमान में इंडोनेशिया में मुसलमानों की संख्या सर्वाधिक है।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

रिपोर्ट के अनुसार 2020-2025 की अवधि में सबसे अधिक बच्चों का जन्म किस धार्मिक समूह की महिलाओं से हुआ?

मुस्लिम महिलाओं से, इस अवधि में लगभग 25.2 करोड़ बच्चों का जन्म मुस्लिम माताओं से हुआ, जबकि ईसाई माताओं से लगभग 20.8 करोड़। मुसलमान एकमात्र प्रमुख समूह हैं जिनके यहाँ आने वाले दशकों में जन्मों की संख्या बढ़ने का अनुमान है।

इन अनुमानों में धर्मांतरण (switching) का कितना प्रभाव है?

अधिकांश समूहों के लिए धर्मांतरण का शुद्ध प्रभाव सीमित है, लेकिन 2020 से 2070 के बीच धर्म-निरपेक्ष बनने वालों की संख्या किसी धर्म से जुड़ने वालों से लगभग 11.7 करोड़ अधिक होगी, इनमें अधिकांश पूर्व ईसाई होंगे। ईसाइयों के मामले में धर्मांतरण से होने वाली कमी प्राकृतिक वृद्धि (जन्म घटा मृत्यु) से आंशिक रूप से कटौती करती है।

क्या यह प्यू रिसर्च सेंटर की धर्म-जनसंख्या पर पहली रिपोर्ट है?

नहीं। केंद्र ने अप्रैल 2015 में "The Future of World Religions: Population Growth Projections, 2010-2050" शीर्षक ऐसी ही रिपोर्ट प्रकाशित की थी; नई रिपोर्ट 2020 को आधार-वर्ष मानकर 2070 तक के अनुमान देती है।

स्रोत

- www.pewresearch.org
- www.pewresearch.org
- www.thehindu.com

PCSMANTRA.COM